# सविता चाची और पड़ोस की चुदासी आंटियाँ-2

“एक दिन मैं घर का किराया देने मालकिन के कमरे में गया तो देखा कि पड़ोस की आन्टियाँ नंगी लेस्बीयन सेक्स कर रही थी। उन्होंने मुझे देख अपने खेल में शामिल कर लिया। …”

**Story By: H K Mehra (hard_dick)**
**Posted: Tuesday, September 6th, 2016**
**Categories: पड़ोसी**
**Online version: सविता चाची और पड़ोस की चुदासी आंटियाँ-2**


*Copyright © Antarvasna part of Indian Porn Empire*

# सविता चाची और पड़ोस की चुदासी आंटियाँ-2

अब तक आपने पढ़ा..
सविता आंटी और उनकी सहेलियां मेरे लौड़े को देखने का इन्तजार कर रही थीं।
अब आगे..

नफ़ीसा आंटी ने जैसे ही मेरी चड्डी उतारी मेरा लंड स्प्रिंग की तरह बाहर आकर थोड़ा हिलोरें मार के रुक गया। मेरे लंड की नसें फूल गई थीं और प्री-कम निकल रहा था, इससे मेरे लंड का टोपा पूरा गीला हो गया था।

सविता आंटी ने कहा- मेरा किराएदार है.. तो सबसे पहले मैं इसका चुसूंगी।

उन्होंने मेरा लौड़ा हाथ में लेकर चूसना चालू कर दिया। वो घोड़ी बनकर मेरा लंड चूस रही थीं.. और मेहता आंटी उनके पीछे जाकर उनकी गाण्ड चाटने लग गईं।

रचना आंटी ने कहा- नफ़ीसा हमारी सबसे जवान प्लेयर.. ज़रा रोल में आओ यार..
उन्होंने नफ़ीसा आंटी का दुपट्टा खींच दिया और कुर्ते को उठाना चालू किया, नफ़ीसा आंटी ने अपने हाथ ऊपर कर दिए।

नफ़ीसा आंटी के मम्मे सबसे बड़े तो नहीं थे लेकिन थे सबसे शानदार.. जो उनकी ब्रा से बाहर निकालने के लिए झाँक रहे थे।

फिर उन्होंने सलवार का नाड़ा खींच दिया और सलवार अपने आप नीचे सरक गई। उनकी ब्लैक कलर की पैन्टी में से चूत का फूला हुआ उभार दिखाई दे रहा था।

उनकी पैन्टी चूत के रस से गीली हो गई थी।

फिर नफ़ीसा आंटी ने खुद ही अपनी पैन्टी उतार दी.. कसम से नफ़ीसा आंटी का फिगर इन सबसे अच्छा था और वो सबसे ज़्यादा सुन्दर और गोरी भी थीं।

उन्होंने जब अपने दोनों हाथ पीछे किए ब्रा खोलने के लिए.. तो वो सीन आज भी मेरी जिन्दगी का सबसे शानदार सीन है।
ब्रा के बटन खुलते ही उनके बड़े-बड़े.. सख्त और गोरे-चिट्टे मम्मे हेडलाईट की तरह चमक रहे थे। उनके निप्पलों के तो क्या कहने.. एकदम पिंक और कड़क थे।

मेहता आंटी ने कहा- बच्चे का लण्ड उद्घाटन तो नफ़ीसा ही करेगी।
अब नफ़ीसा आंटी भी खुल गई थीं।

यह कहते ही सविता आंटी पीछे हट गईं और नफ़ीसा आंटी मेरे खड़े लौड़े पर आकर बैठ गईं।
मैंने उन्हें कसके बांहों में भर लिया।

वो मेरे ऊपर-नीचे हो रही थीं और उनके मम्मे ज़ोर-ज़ोर से हिल रहे थे, मैंने उनके मम्मों को ज़ोर से पकड़ कर दबा दिए।
वो चिल्लाईं – आउच.. धीरे से मेरे बेटे.. धीरे से..
मैंने उनकी आवाज़ पहली बार सुनी थी।

मेहता आंटी बोलीं- नफ़ीसा थोड़ा हमारे लिए भी छोड़ दे यार..
यह कहते हुए मेहता आंटी फर्श पर अपनी टांगें फैला कर लेट गईं।

नफ़ीसा आंटी हट गई और मैं मेहता आंटी के ऊपर चढ़ कर उनको चोदने में लग गया।
जब मैं उन्हें चोद रहा था.. तो रचना आंटी ने मेरे कूल्हों पर जोरदार थप्पड़ मार दिया..

इससे मैं और उत्तजित होकर ज़ोर से झटके देने में लग गया।

सविता आंटी.. मेहता आंटी के मुँह पर जाकर बैठ गईं और अपनी चूत को चटवाने में लग गईं।
हे भगवान सविता आंटी ऐसी होंगी.. मैंने सोचा नहीं था।

रचना आंटी और नफ़ीसा आंटी पास में ही फर्श पर 69 पोज़िशन में लेट गईं और एक-दूसरे की चूत को चाटने में लग गईं। ये देख कर और मेहता आंटी को चोदते-चोदते मेरा माल उनकी चूत में निकल गया।

मेहता आंटी बोलीं- लो यह छोकरा तो निपट ही गया।

मैं सोफे पर जाकर बैठ गया।
बाकी की तीनों आंटियां मेहता आंटी की चूत चाटने लगीं और बारी-बारी से मेरा उनकी चूत में निकाला हुआ माल चाट गईं।
लेकिन अभी मैंने सविता आंटी और रचना आंटी को नहीं चोदा था।

इतना सब होने के बाद सविता आंटी रसोई में कोल्डड्रिंक लेने के लिए गईं। सभी आंटी सोफे पर बैठ गईं और टीवी ऑन कर दिया। नफ़ीसा आंटी मेरी गोद में आकर बैठ गईं.. मैं उनके मम्मों को चाट रहा था और उनकी चूत में उंगली कर रहा था।

थोड़ी देर बाद सविता आंटी कोल्डड्रिंक की ट्रे लेकर आईं।
उसमें कुछ कैंडल्स भी पड़ी हुई थीं।

मैंने कोल्डड्रिंक उठाई और पीने लगा.. तो नफ़ीसा आंटी ने बोला- ये पीने के लिए नहीं है बेटा..
रचना आंटी ने कहा- देखो.. ये इसके लिए हैं। उन्होंने कोल्डड्रिंक को सविता आंटी के पूरे

बॉडी पर डाल दिया। मेहता आंटी ने कोल्डड्रिंक उठाई और मेरे और नफ़ीसा आंटी को नहला दिया.. जो मेरी गोद में बैठी हुई थीं।

रचना आंटी ने एक बॉटल को मेहता आंटी के ऊपर डाल दिया और एक को खुद के ऊपर डाल लिया। तीनों आंटियां फर्श पर लेट गईं और एक-दूसरे की बॉडी को चाटने लगीं।

मैं भी नफ़ीसा आंटी को चूसने लगा और वो मुझे चाटने लगीं।

फिर सविता आंटी ने सबकी चूत और गाण्ड में एक-एक कैंडल ठूंस दी। नफ़ीसा आंटी ने ये काम खुद अपने हाथों से किया।
उन्होंने मुझसे बोला- घोड़ा बनो बेटा।

जैसे ही मैं घोड़ा बना.. एक कैंडल उन्होंने थूक से गीला करके मेरी गाण्ड में भी डाल दी। मुझे थोड़ा दर्द हुआ लेकिन मज़ा भी आ रहा था।

सारी आंटियां इतनी चुदक्कड़ थीं कि उन्हें किसी बात का होश नहीं था। सारी आंटियां एक-दूसरे से लिपट-लिपट कर कोल्डड्रिंक से लबरेज कभी चूत को.. कभी गाण्ड को.. कभी मम्मों को.. अपने होंठों से चाट रही थीं।

सविता आंटी ने कहा- मेरा किरायेदार, कब चोदेगा मुझे ?
रचना ने कहा- रूको सविता पहले मेरा नंबर है.. तुम तो कभी भी चुद लेना।

मेरा लंड भी फिर से खड़ा हो गया था और रचना आंटी कुतिया बन गई थीं। वे अपनी बड़ी सी गाण्ड को मेरी और करके मुझे चुदाई का इन्विटेशन दे रही थीं।

मैंने अपने घुटने मोड़े और डाल दिया लंड रचना आंटी की गाण्ड में.. वो चिल्ला पड़ीं
‘उउईइ माआ.. ग़लत जगह डाल दिया रे मेरे बच्चे..’

मैंने कहा- आंटी आपकी चूत इतनी बड़ी है.. मेरे लौड़े से क्या होगा.. वैसे भी आपकी गाण्ड बड़ी है.. इसे चोदने में ज़्यादा मज़ा आएगा।

यह सुन कर सारी आंटियां ज़ोर-ज़ोर से हंसने लगीं।
हँसते हुए नफ़ीसा आंटी सबसे प्यारी लग रही थीं।

रचना आंटी की गाण्ड मारने पर जो 'फॅक.. फॅक..' की आवाज़ आ रही थी, वो पूरे कमरे में गूँज रही थी।
नफ़ीसा आंटी हमारी वीडियो क्लिप बना रही थीं।
मुझे इसमें बहुत मज़ा आ रहा था।

मेरा माल इस बार निकलने का नाम ही नहीं ले रहा था।
मैं धकापेल चोदता रहा.. पर माल नहीं निकला।

रचना आंटी थक गई थीं.. फिर नफ़ीसा आंटी ने कहा- मैं चुदवाऊँगी मेरे बच्चे से..
उन्होंने अपनी चूत को मेरे सामने फैला दिया।
मैं उन पर कुत्ते की तरह टूट पड़ा।

वो बोलीं- ये तो मेरा फैन हो गया..

सच में पता नहीं उनकी चूत में क्या कशिश थी.. मेरा माल निकलने ही वाला था कि मैंने अपना लंड बाहर निकाल लिया और थोड़ी देर रुक गया।
मैं उन्हें भरपूर चोदना चाहता था।

अब मैंने अपना लंड उनकी गाण्ड में डालना चाहा तो उन्होंने कहा- रूको..
वो घोड़ी बन गईं और कहा- ले फाड़ दे बेटा.. आज मेरी इस गाण्ड को.. इसको और बड़ी कर दे।

मैंने उनकी गाण्ड पर ज़ोर से चपत मारी.. उनकी गाण्ड लाल हो गई।

मैंने लंड अन्दर डाला लेकिन पूरा नहीं घुसा.. उन्होंने पीछे की तरफ ज़ोर से धक्का लगाया.. तो मेरा पूरा लंड गाण्ड फाड़ कर अन्दर घुस गया।

वो चिल्लाईं- मार डाला रे.. आज तो फाड़ दी मेरी गाण्ड..

मैंने खूब झटके लगाए और जब निकलने वाला था तो मैंने लंड बाहर निकाल लिया और नफ़ीसा आंटी के चेहरे पर और मम्मों पर पूरा पानी छोड़ दिया।
सभी आंटियां वीर्य को उनके चेहरे और मम्मों पर से चाटने में लग गईं।

सविता आंटी ने अपने मुँह से वीर्य निकाल कर नफ़ीसा आंटी को चाटने के लिए दिया।

नफ़ीसा आंटी और रचना आंटी की तो गाण्ड फट गई थी, उनमें अब चुदने की हिम्मत नहीं बची थी, उन्हें अब घर वापस जाना भी था.. तो उन्होंने शावर लिया और तीनों आंटियां जाने के लिए रेडी हो गईं।

अब हम दोनों.. सविता आंटी और मैं.. हम दोनों अभी तक नंगे ही थे। सविता आंटी कपड़े पहनने लगीं.. तो नफ़ीसा आंटी ने बोला- सविता भाभी, अभी आपकी चुदाई बाकी है।

सविता आंटी समझ गई और उन्होंने कपड़े नहीं पहने.. वो मेरी तरह नंगी ही बनी रहीं।
तीनों आंटियां अब जाने वाली थीं तो उन तीनों ने मेरे लंड को किस किया और कहा- चलते हैं बेटे.. कल फिर मिलेंगे।

मैंने सबको ‘बाय’ कहा और मैं और सविता आंटी नंगे ही सबको ‘सी-ऑफ’ करने गेट तक गए। जाते वक़्त नफ़ीसा आंटी ने मुझे बांहों में लेकर किस कर दिया।
मैं आज बहुत खुश था।

तीनों आंटियां चली गईं, अब घर में सिर्फ़ मैं और नंगी सविता आंटी ही बचे थे।
मैं सिर्फ़ उन्हें ही घूर रहा था, वो भी बेशर्मों की तरह मेरे सामने नंगी ही थीं।

वे कमरे को फिर से सैट कर रही थीं।
उन्होंने फर्श साफ़ किया.. फिर कहा- चलो नहा लो।

हम दोनों ने एक साथ शावर लिया।
इतनी चुदाई करने के बाद मेरा लंड दर्द कर रहा था और आंटी भी इस बात को समझती थीं।

उन्होंने कहा- मुझे पता है तुम आज बहुत थक गए हो और तुम्हारा प्यारा लंड भी.. आज के लिए तुम्हें छोड़ देती हूँ लेकिन अगली बार नहीं.. मैं तो तुमसे चुदवा कर ही रहूँगी।
मैंने कहा- ऑफ कोर्स सविता डार्लिंग।

मैंने कपड़े पहन लिए। मैंने सोफे पे पड़ी अपनी पैन्ट से 1500/- निकाल कर आंटी को दिए- ये लो किराया।
उन्होंने कहा- रहने दे.. अब तो तू मेरे हज़्बेंड जैसा है.. तुझसे पैसे नहीं लूँगी।

लेकिन मैंने उन्हें पैसे दे ही दिए। आख़िर में मुझे फ्री में 4-4 औरतों को चोदने का सौभाग्य जो प्राप्त हुआ था।

मैं नीचे अपने कमरे में आ गया।
आज बहुत ज़्यादा थकान होने के कारण मैं जल्दी ही सो गया था।

अब मुझे कोई डर नहीं था। मैं गेट खोलकर ही नंगा सो गया। सुबह कल की ही तरह आंटी 7 बजे मेरे कमरे में आईं। तब तक सभी लड़के कोचिंग के लिए जा चुके थे।

उन्होंने मुझे जगाया और कहा- तुम इस तरह गेट खोलकर क्यों सोते हो.. कोई देख लेगा तो क्या कहेगा।
मैंने कहा- डोंट वरी आंटी, मेरे बारे में सभी लड़कों को पता है और वो सब भी ऐसे ही सोते हैं। हम सब कभी-कभी एक साथ मुट्ठी भी मारते हैं.. सो डोंट वरी।

उन्होंने कहा- चलो ठीक है फिर.. कोई बात नहीं.. पर हमारे बारे में किसी को मत बताना यार।
मैंने कहा- डोंट वरी आंटी, बी कूल।

उन्होंने कहा- थकान उतरी या नहीं ?
मैंने कहा- आंटी मैं बिल्कुल ठीक हूँ अब फ्रेश हूँ.. देखो लंड फिर से खड़ा भी है।
उन्होंने हँस कर कहा- चल पागल.. अब तू बहुत बोलने लगा है।

मैं बाहर जाकर फ्रेश होकर, ब्रश करके वापस कमरे में आया। तब तक आंटी मेरे कमरे में ही थीं और मैगज़ीन पढ़ रही थीं। मैं अभी तक नंगा ही था।

आंटी ने गाउन पहन रखा था वो चेयर पर बैठी हुई थीं और अपनी टाँगों को बिस्तर पर रखा हुआ था। उन्होंने जान बूझ कर अपनी टाँगें ऊपर कर रखी थीं। इसलिए उनकी मोटी-मोटी जांघें दिखाई दे रही थीं।

मुझे अपनी चड्डी नहीं मिल रही थी। उन्होंने पूछा- क्या हुआ ?
मैंने कहा- चड्डी नहीं मिल रही है।
उन्होंने कहा- मुझे पता है.. जब तुम बाहर गए थे.. तब मैंने छुपा दी थी।
मैंने कहा- बताओ ना कहाँ है ?

उन्होंने अपना गाउन धीरे से ऊपर किया.. मैंने देखा उन्होंने मेरी चड्डी पहन रखी थी।

अब उन्होंने अपना पूरा गाउन उतार दिया। वो सिर्फ़ एक जॉकी की चड्डी में थीं.. जो उन्होंने अपनी बड़ी से गाण्ड के ऊपर फंसा रखी थी। उसमें से उनके कूल्हे बाहर निकल रहे थे।

उन्होंने कहा- ले लो अपनी चड्डी..

मैंने झट से चड्डी उतार ली और देखा कि आंटी ने शायद आज ही अपनी चूत के बाल शेव किए थे।
शायद उन्होंने चूत में कुछ लगाया था जिससे उनकी चूत महक रही थी।

वो घुटनों के बल बैठ गईं और मेरे सोए हुए लंड को मुँह में लेकर खड़ा करने की कोशिश करने लगीं। मेरा लंड खड़ा हो गया.. तो वो घोड़ी बन गईं।

उन्होंने मुझसे कहा- अब चोदो अपनी आंटी को..
मैंने लौड़ा फिट किया.. और कुछ झटके लगाए।

उन्होंने कुछ धक्कों के बाद लंड को निकालवाया फिर मुझे सीढ़ियों पर लेकर गईं। वहाँ उन्होंने मुझसे चुदवाया। वो मेरे ऊपर बैठ कर ऊपर-नीचे हो रही थीं।

थोड़ी देर बाद वो मुझे अपने कमरे में ले गईं.. वहाँ उन्होंने मेरा लंड मम्मों के बीच डलवाया.. मैंने उनके मम्मों को चोदा। थोड़ी देर बाद उन्होंने मेरा माल अपने दूध पर निकलवा लिया।

वो मम्मों पर माल समेटे हुए रसोई में गईं और उस वीर्य को ब्रेड पर लगा कर खा लिया। सच में आंटी तो बहुत सेक्सी निकलीं, उनकी इस हरकत को देख कर मेरा लंड फिर से खड़ा हो गया।

फिर वो मुझे छत पर ले गईं पर छुपके.. ताकि कोई देख ना ले। पानी की टंकी के पीछे मुझसे कहा- अब डाल दो मेरी गाण्ड में अपना लौड़ा.. मेरी भी गाण्ड रचना और नफ़ीसा की तरह फाड़ दो।

मैंने उनकी गाण्ड को बहुत बुरी तरह से चोदा।
वो छत पर भी ज़ोर-ज़ोर से आवाज़ कर रही थीं 'ऊओह चोद दो.. आअहह फाड़ दो गाण्ड मेरी.. ईएआअहह आआहह..'

आंटी बस चुदना चाहती थीं.. उन्हें कोई फिकर नहीं थी।
भगवान की दया से किसी ने हमें चुदाई करते हुए देखा भी नहीं था।

फिर आंटी ने मुझे घर के पीछे वाले लॉन में जाने के लिए बोला।
मैंने कपड़े पहने और वहाँ चला गया।

थोड़ी देर बाद आंटी चाय-नाश्ता लेकर आईं.. लेकिन आंटी अभी भी नंगी ही थीं। उन्होंने कुछ नहीं पहन रखा था। उन्होंने ब्रेड और चाय को टेबल पर रखा और लॉन में टाँगें फैला कर लेट गईं।

अब उन्होंने कहा- अरे यार उतार दो अपने कपड़े..
मुझे क्या प्राब्लम थी.. मैं एक पल में नंगा हो गया।

फिर कहा- आओ मेरे ऊपर चढ़ जाओ।

उन्होंने मुझे बांहों में भर लिया.. चिपका लिया अपने सीने से। फिर हम दोनों 69 की पोजीशन में आ गए।
मैं उनकी चूत और गाण्ड चाटने लगा और वो मेरा लंड चूसने में लग गईं।

उन्होंने मुझसे कहा- खुले आसमान के नीचे आज मैं पहली बार चुद रही हूँ। तुम्हारे अंकल तो शरमाते हैं।

फिर उन्होंने टेबल से बटर उठा कर मेरे लौड़े पर लगा दिया और अपनी उंगली से मेरी गाण्ड में बटर ठूंस दिया। उन्होंने मुझे भी बटर दिया.. मैंने भी उनकी चूत और गाण्ड में ढेर सारा बटर ठूंस-ठूंस कर भर दिया।

उन्होंने पूरा बटर चाट-चाट कर ख़त्म कर दिया और गाण्ड का बटर भी चाट गईं।
मैंने भी ऐसा ही किया.. उनकी चूत से निकला हुआ बटर बहुत मस्त था। इतना स्वादिष्ट बटर मैंने आज तक नहीं खाया था।

मैंने कहा- आंटी अब मेरा निकलने वाला है।
उन्होंने एक कप लिया और कहा- इसमें निकाल दो।

उन्होंने मुझे चाय बना कर पिलाई। मेरा निकाला हुआ वीर्य उन्होंने ब्रेड पर लगाकर खाया और थोड़ा सा चाय में डाल कर चाय पी।

आंटी ने आज मुझे बहुत ही सेक्सी एक्सपीरियेन्स दिए।

इस सबके बाद हम दोनों ने साथ में शावर लिया और साथ में खाना खाया लेकिन पूरे दिन कपड़े नहीं पहने।

अब एक बज चुका था.. तीनों आंटियां आ चुकी थीं।
हमने वो सब किया जो कल किया था। आज कुछ नया भी किया.. छत पर चुदाई.. सीढ़ियों पर.. लॉन में.. खूब मजा किया।

अगले दिन अंकल आ गए.. फिर हमको जब भी मौका मिलता.. हम ये सब काम ज़रूर

करते।

तीन महीने बाद हमारे ग्रुप में एक नई मेंबर उर्मिला आंटी भी जुड़ गई थीं। उनके साथ चुदाई के किस्से को अगली बार लिखूँगा।

आप के ईमेल के इन्तजार में आपका दोस्त।

hkmhr2@gmail.com

# Other stories you may be interested in

## चाची की चूत और अनचुदी गांड मारी

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम रंजन देसाई है. मेरी उम्र 27 साल है और मैं कोल्हापुर, महाराष्ट्र का रहने वाला हूं. मैंने अन्तर्वासना पर बहुत सारी कहानियां पढ़ी हैं. ये मेरी पहली कहानी है जो मैं अन्तर्वासना पर लिख रहा हूं. […]
Full Story >>>

## मेरी चूत को बड़े लंड का तलब

मैं सपना जैन, फिर एक बार एक नई दास्तान लेकर हाज़िर हूँ. मेरी पिछली कहानी बड़े लंड का लालच जिन्होंने नहीं पढ़ी है, उन्हें यह नयी कहानी कहां से शुरू हुई, समझ में नहीं आएगी. इसलिये आप पहले मेरी कहानी […]
Full Story >>>

## मेरी गांड पहली बार कैसे चुदी

नमस्कार मेरे प्यारे अन्तर्वासना के साथियो, मैं लगभग 4 वर्षो से अन्तर्वासना का नियमित पाठक हूँ। मैंने अन्तर्वासना की लगभग सारी कहानियां पढ़ी हैं। मुझे उनमें से सनी शर्मा की कहानियां बहुत पसंद हैं. अब मुझे लगता है कि मुझे […]
Full Story >>>

## खुली छत पर गांड की चुदाई की गंदी कहानी

सभी लण्डधारियों को मेरे इन गुलाबी होंठों से चुम्बन ! मैं बिंदु देवी फिर से आ गयी हूं अपनी चुदाई की गाथा लेकर। मैं पटना में रहती हूं। मेरी फिगर 34-32-36 है। आप लोगों ने पिछली कहानी पढ़ कर खूब मेल […]
Full Story >>>

## ऑफिस की मैम की चूत और गांड

मेरा नाम शकील है और मैं मुंबई से हूँ. मैं एक निजी कंपनी में जॉब करता हूँ. मेरी उम्र 28 साल है व हाइट 5 फुट 8 इंच है. मैं देखने में ठीक ठाक हूँ. मेरी कंपनी में कौसर मेम […]
Full Story >>>